



Mrs.savita

12 Oct 1990

05:30 AM

Kangra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121946404

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 11-12/10/1990
दिन _____: गुरु-शुक्रवार
जन्म समय _____: 05:30:00 घंटे
इष्ट _____: 57:41:38 घटी
स्थान _____: Kangra
राज्य _____: Himachal Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 32:04:00 उत्तर
रेखांश _____: 76:16:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:24:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 05:05:04 घंटे
वेलान्तर _____: 00:13:09 घंटे
साम्पातिक काल _____: 06:26:18 घंटे
सूर्योदय _____: 06:25:20 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:57:49 घंटे
दिनमान _____: 11:32:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 24:40:34 कन्या
लग्न के अंश _____: 11:54:16 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कन्या - बुध
राशि-स्वामी _____: कर्क - चन्द्र
नक्षत्र-चरण _____: पुष्य - 1
नक्षत्र स्वामी _____: शनि
योग _____: सिद्ध
करण _____: तैतिल
गण _____: देव
योनि _____: मेष
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: मेष
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: हू-हुस्नी
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: तुला

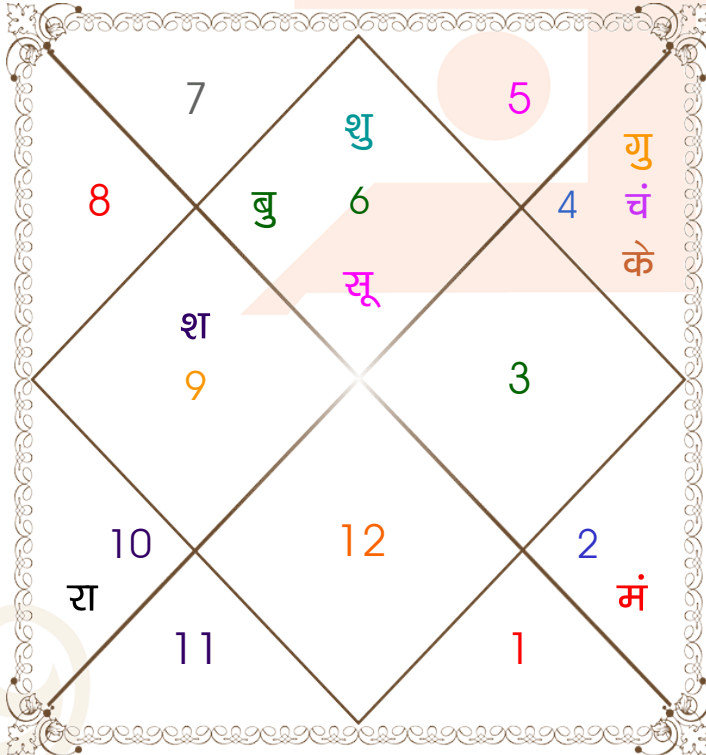
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	11:54:16	309:10:26	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			कन्या	24:40:34	00:59:21	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			कर्क	05:32:51	13:36:42	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	स्वराशि
मंगल			वृष	20:16:35	00:07:26	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	सम राशि
बुध	अ		कन्या	17:15:45	01:45:33	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
गुरु			कर्क	16:12:46	00:08:18	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र	अ		कन्या	19:21:55	01:15:01	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि			धनु	25:15:49	00:01:51	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
राहु			मक	10:37:33	00:00:12	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
केतु			कर्क	10:37:33	00:00:12	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	मित्र राशि
हर्ष			धनु	12:11:01	00:01:23	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप			धनु	18:09:27	00:00:36	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	22:49:33	00:02:12	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			मिथु	12:18:25	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

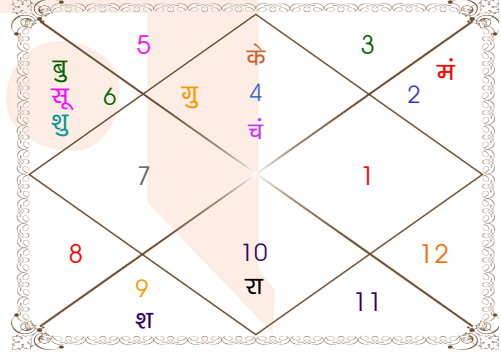
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:55

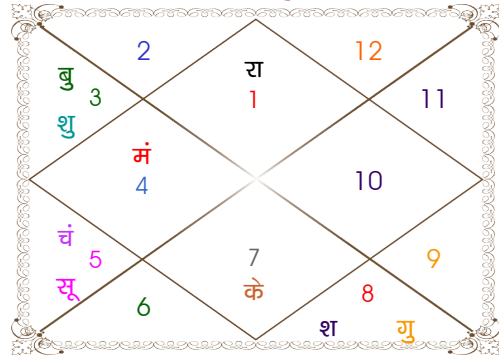
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 15 वर्ष 10 मास 4 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
12/10/1990	16/08/2006	16/08/2023	16/08/2030	16/08/2050
16/08/2006	16/08/2023	16/08/2030	16/08/2050	16/08/2056
12/10/1990	बुध 12/01/2009	केतु 12/01/2024	शुक्र 16/12/2033	सूर्य 04/12/2050
बुध 28/04/1993	केतु 09/01/2010	शुक्र 14/03/2025	सूर्य 16/12/2034	चंद्र 04/06/2051
केतु 07/06/1994	शुक्र 09/11/2012	सूर्य 19/07/2025	चंद्र 16/08/2036	मंगल 10/10/2051
शुक्र 07/08/1997	सूर्य 15/09/2013	चंद्र 17/02/2026	मंगल 16/10/2037	राहु 03/09/2052
सूर्य 20/07/1998	चंद्र 15/02/2015	मंगल 17/07/2026	राहु 15/10/2040	गुरु 22/06/2053
चंद्र 18/02/2000	मंगल 12/02/2016	राहु 04/08/2027	गुरु 16/06/2043	शनि 04/06/2054
मंगल 29/03/2001	राहु 31/08/2018	गुरु 10/07/2028	शनि 16/08/2046	बुध 10/04/2055
राहु 03/02/2004	गुरु 06/12/2020	शनि 19/08/2029	बुध 16/06/2049	केतु 16/08/2055
गुरु 16/08/2006	शनि 16/08/2023	बुध 16/08/2030	केतु 16/08/2050	शुक्र 16/08/2056

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
16/08/2056	16/08/2066	16/08/2073	16/08/2091	17/08/2107
16/08/2066	16/08/2073	16/08/2091	17/08/2107	00/00/0000
चंद्र 16/06/2057	मंगल 12/01/2067	राहु 28/04/2076	गुरु 04/10/2093	शनि 20/08/2110
मंगल 15/01/2058	राहु 31/01/2068	गुरु 22/09/2078	शनि 16/04/2096	बुध 13/10/2110
राहु 17/07/2059	गुरु 06/01/2069	शनि 29/07/2081	बुध 23/07/2098	00/00/0000
गुरु 15/11/2060	शनि 14/02/2070	बुध 15/02/2084	केतु 29/06/2099	00/00/0000
शनि 16/06/2062	बुध 12/02/2071	केतु 04/03/2085	शुक्र 28/02/2102	00/00/0000
बुध 16/11/2063	केतु 11/07/2071	शुक्र 04/03/2088	सूर्य 17/12/2102	00/00/0000
केतु 16/06/2064	शुक्र 09/09/2072	सूर्य 27/01/2089	चंद्र 17/04/2104	00/00/0000
शुक्र 14/02/2066	सूर्य 15/01/2073	चंद्र 29/07/2090	मंगल 24/03/2105	00/00/0000
सूर्य 16/08/2066	चंद्र 16/08/2073	मंगल 16/08/2091	राहु 17/08/2107	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 15 वर्ष 10 मा 13 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृत्ति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात् प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उदमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृत्ति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात् प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेंगी। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जॉक की तरह चिपक जाएंगी। अर्थात् सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत्त कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाएँ।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात् मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यो आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्णकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगी। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार हैं। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।

